अर्द्धवार्षिक परीक्षा

विषय–हिन्दी

समय : 3 घण्टा | कक्षा–10 | पूर्णांक– 70

निर्देश–

(i) यह प्रश्न–पत्र **दो** खण्डों में विभक्त है। खण्ड–अ तथा खण्ड–ब।

(ii) खण्ड 'अ' में **20 प्रश्न** बहुविकल्पीय हैं। जिनके उत्तर ओ.एम.आर. पर देने हैं।

(iii) खण्ड **'ब' 50 अंक** के वर्णनात्मकप्रश्न दिए गए है। प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख निर्धारित अंक अंकित है।

खण्ड–'अ'

प्र. 1. शुक्ल युग का नामकरण किस लेखक के नाम पर किया गया है? 1

(क) जयशंकर प्रसाद (ख) निराला

(ग) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (घ) पंत

प्र. 2. शुक्ल युग के प्रमुख इतिहासकार है– 1

(क) नगेन्द्र (ख) प्रेमघन (ग) बाबू गुलाबराय (घ) कोई नहीं

प्र. 3. शुक्लोत्तर युग के प्रमुख नाटककार हैं– 1

(क) हरिकृष्ण प्रेमी (ख) धर्मवीर भारती

(ग) विष्णु प्रभाकर (घ) प्रसाद

प्र. 4. 'कलम का सिपाही' के लेखक कौन है? 1

(क) गुलाबराय (ख) अमृतराय (ग) दिनकर (घ) निराला

प्र. 5. 'रस मीमांशा' के लेखक है– 1

(क) प्रेमघन (ख) प्रतापनारायण मिश्र

(ग) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (घ) गुलाबराय

प्र. 6. आधुनिक मीरा किस कवयित्री को कहा जाता है? 1

(क) महादेवी वर्मा (ख) अनामिका

(ग) कीर्ति चौधरी (घ) सुभद्रा कुमारी चौहान

प्र. 7. तार सप्तक काव्य संग्रह का प्रकाशन किस वर्ष हुआ? 1

(क) 1943 ई. (ख) 1951 ई. (ग) 1969 ई. (घ) 1979 ई.

प्र. 8. भारतेन्दु के कवि कौन हैं? 1

(क) प्रतापनारायण मिश्र (ख) मैथिलीशरण गुप्त

(ग) पंत (घ) निराला

modelpaper.info

प्र. 9. रीतिकाल के कवि कौन नहीं है? 1

(क) जयशंकर प्रसाद (ख) घनानन्द (ग) बिहारी (घ) बोधा

प्र. 10. सुजानहित तथा वियोगबेलि के रचयिता कौन हैं? 1

(क) बोधा (ख) घनानन्द (ग) पद्माकर (घ) आलम

प्र. 11. वीर रस का स्थायी भाव बताइए। 1

(क) क्रोध (ख) उत्साह (ग) शोक (घ) विस्मय

प्र. 12. रस के कितने अंग माने गए हैं? 1

(क) एक (ख) दो (ग) तीन (घ) चार

प्र. 13. 'ह्रास' किस रस का स्थायी भाव है? 1

(क) श्रृंगार (ख) भयानक (ग) शान्त (घ) हास्य

प्र. 14. 'अनाथ' शब्द में कौन–सा उपसर्ग है? 1

(क) अन् (ख) अ (ग) अना (घ) अनाथ

प्र. 15. जो शब्दांश किसी शब्द के पहले जुड़कर एक नया शब्द बनाते हैं उसे कहते है– 1

(क) उपसर्ग (ख) प्रत्यय (ग) क्रिया (घ) धातु

प्र. 16. प्रत्यय के कितने भेद होते है? 1

(क) दो (ख) तीन (ग) चार (घ) पाँच

modelpaper.info

प्र. 17. पढाई में कौन–सा प्रत्यय है? 1

(क) आई (ख) ढाई (ग) ई (घ) अई

प्र. 18. एच् प्रत्याहार के अन्तर्गत कौन–सा वर्ण नहीं आता है? 1

(क) ए (ख) ओ (ग) ऐ (घ) ह

प्र. 19. स्वागत् में सन्धि–विच्छेद क्या होगा? 1

(क) स्व+आगत (ख) सु+आगत् (ग) स्वा+गत् (घ) स्वाग+त्

प्र. 20. यद्यपि में कौन–सी सान्धि है? 1

(क) वृद्धि सन्धि (ख) यण सन्धि (ग) दीर्घ सन्धि (घ) गुण सन्धि

खण्ड–'ब' (वर्णनात्मक प्रश्न)

प्र. 21. निम्नलिखित गद्यांशों में से किसी एक के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 3×2=6

(I) कुसंग का ज्वर सबसे भयानक होता है। यह केवल नीति और सद्वृत्ति का ही नाश नहीं करता, बल्कि बुद्धि का भी क्षय करता है। किसी युवा पुरुष की संगति यदि बुरी होगी, तो वह उसके पैरों में बँधी चक्की के समान होगी, जो उसे दिन–दिन अवनति के गड्ढे में गिराती जाएगी और यदि अच्छी होगी तो सहारा देने वाली सुदृढ़ बाहु के समान होगी, जो उसे निरन्तर उन्नति की ओर उठाती जाएगी।

(a) प्रस्तुत गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(b) गद्यांश के रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(c) कुसंग का प्रभाव व्यक्ति के जीवन पर किस प्रकार पड़ता है?

अथवा

(II) बहुत से लोग ऐसे होते हैं जिनके घड़ी भर के साथ से बुद्धि भ्रष्ट हो जाती है, क्योंकि उतने ही बीच में ऐसी–ऐसी बाते कही जाती है जो कानों में न पड़नी चाहिए, चित्त पर ऐसे प्रभाव पड़ते हैं, जिससे इसकी पवित्रता का नाश होता है। बुराई अटल भाव धारण करके बैठती है। बुरी बाते हमारी धारणा में बहुत दिनों तक टिकती है।
(a) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए।
(b) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।
(c) बुराई की प्रकृति कैसी होती है?

प्र. 22. निम्नलिखित पद्यांशों में से किसी एक के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **3×2=6**

(I) ऊधौ मोहि ब्रज बिसरत नाही।
वृन्दाबन गोकुल बन उपबन, सघन कुंज की छाँहीं।।
प्रात समय माता जसुमति अरु नंद देखि सुख पावत।
माखन रोटी दह्यो सजायौ, अति हित साथ खवावत।।
गोपी ग्वाल बाल संग खेलत, सब दिन हँसत सिरात।
सूरदास धनि–धनि ब्रजबासी, जिनसौ हित जदु–तात।।
(a) प्रस्तुत पद्यांश की संसदर्भ हिन्दी में व्याख्या कीजिए।
(b) श्रीकृष्ण को क्या भुलाए नहीं भूल रहा है?
(c) 'वृदाबन गोकुल बन उपबन, सघन कुंज की छाँही' का आशय स्पष्ट कीजिए।

modelpaper.info

अथवा

(II) पुर ते निकसी रघुवीर–बधू, धरि धीर दए मग में डग है।
झलकी भरि भाल कनी जल की, पुट सूखि गए मधुराधर वै।
फिर बूझति है–'चलनो अब केतिक', पर्वकुटी करिहौ कित ह्वै?
तिय की लखि आतुरता पिय की अँखियाँ अति चारु चलीं जल च्वै।।
(a) प्रस्तुत पद्यांश की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए।
(b) प्रस्तुत पद्यांश किस ग्रंथ से लिया गया है?
(c) 'तिय की लखि आतुरता पिय की अँखियाँ अति चारू चली जल च्वै' का आशय स्पष्ट कीजिए।

प्र. 23. निम्नलिखित संस्कृत गद्याशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए। **2+3=5**

(I) एषा नगरी भारतीय संस्कृतेः संस्कृतभाषायाश्च केन्द्रस्थलम् अस्ति। इत एव संस्कृतवाङ्मयस्य संस्कृतेश्च आलोकः सर्वत्र प्रसृतः। मुगल युवराजः दाराशिकोहः अत्रागत्य भारतीय–दर्शन–शास्त्राणाम् अध्ययनम् अकरोत्। स तेषां ज्ञानेन तथा प्रभावितः अभवत्, यत् तेन उपनिषदाम् अनुवादः पारसीभाषायां कारितः।

अथवा

(II) नागरिकः बहुकालं यावत् अचिन्तयत्, परं प्रहेलिकायाः उत्तरं दातुं समर्थः न अभवत्, अहम अस्याः प्रहेलिकायाः उत्तरं न जानामि। इदं श्रुत्वा ग्रामीणः अकथयत्, यदि भवान् उत्तरं न जानाति, तर्हि ददातु दशरूप्यकाणि। अतः म्लानमुखेन नागरिकेण समयानुसारं दशरूप्यकाणि दत्तानि।

प्र. 24. निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए। 2+3=5

(I) उत्तरं यत् समुद्रस्य हिमाद्रेश्चैव दक्षिणम्।
वर्ष तद् भारतं नाम भारती तत्र सन्ततिः।।

अथवा

(II) हतो वा प्राप्स्यसि स्वर्ग जित्वा वा भोक्ष्यसे महीम्।
तस्मादुत्तिष्ठ कौन्तेय युद्धाय कृतनिश्चयः।।

प्र. 25. निम्नलिखित लेखको में से किसी एक का जीवन परिचय एवं उनकी एक रचना का नाम लिखिए। 2+3=5

(I) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल **(II)** जयशंकर प्रसाद **(III)** राजेन्द्र प्रसाद

modelpaper.info

प्र. 26. निम्नलिखित कवियों में से किसी एक कवि का जीवन–परिचय दीजिए तथा उनकी एक रचना का नाम लिखिए। 3+2=5

(I) सूरदास **(II)** तुलसीदास **(III)** रसखान

प्र. 27. अपनी पाठ्य–पुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न–पत्र में न आया हो। 2

प्र. 28. निम्नलिखित प्रश्नों में से **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए। 2+2=4

(i) वाराणसी कस्याः केन्द्रस्थली अस्ति?

(ii) अलक्षेन्द्रः कः आसीत्?

(iii) कस्याः शोभां विलोक्य पर्यटकाः बहु प्रशंसन्ति?

(iv) वीरः केन पूज्यते?

प्र. 29. 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के नायक श्रीकृष्ण का चरित्र–चित्रण कीजिए। 3

प्र. 30. निम्नलिखित में से किसी **एक विषय पर निबन्ध** लिखिए। 9×1=9

(i) छात्र जीवन में अनुशासन का महत्त्व

(ii) पर्यावरण और मानव जीवन

(iii) स्वदेश प्रेम **(iv)** जनसंख्या विस्फोट